104812 - छात्रों के लिए रिपोर्ट और शोध लिखना या उन्हें इंटरनेट से लेना

प्रश्न

मैंने आपकी साइट पर एक फतवा पढ़ा जिसमें कहा गया था कि पैसे के बदले छात्रों के लिए रिपोर्ट लिखना हराम है। लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि यदि शिक्षक को पता है कि छात्र दूसरे लोगों से रिपोर्ट तैयार करवाते हैं, और ये लोग इंटरनेट से विषय लेते हैं। बल्कि कुछ शिक्षक भी छात्रों को इंटरनेट से विषय लेने के लिए कहते हैं। तो क्या इस स्थिति में भी यह हराम (वर्जित) है? मैं इसलिए पूछ रहा हूँ क्योंकि मैंने पहले छात्रों के लिए रिपोर्ट बनाई थी, लेकिन आपकी वेबसाइट पर फतवा पढ़ने के बाद मैं रुक गया।

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।.

छात्रों से जो रिपोर्ट तैयार करने या शोध करने के लिए कहा जाता है, उसका उद्देश्य उन्हें अनुसंधान (शोध) में प्रशिक्षित करना और ऐसा करने में उनकी क्षमताओं का परीक्षण करना और उन्हें संदर्भों (स्रोतों) आदि का उल्लेख करने में अभ्यस्त करना होता है। इसलिए उन्हें छात्रों को स्वयं करना चाहिए, तथा भुगतान के बदले या बिना भुगतान के उनके लिए ये रिपोर्ट तैयार करना जायज़ नहीं है, क्योंकि यह धोखा देना, झूठ बोलना और नई पीढ़ी (युवाओं) को भ्रष्ट करना है, तथा कमज़ोर छात्रों को स्नातक करना है जो इन स्रोतों और संदर्भों का ठीक से उपयोग करना नहीं जानते होंगे।

छात्र के लिए अन्य शोधों से लाभ उठाना, और इंटरनेट से चीजें लेना या कुछ विशेष बिंदुओ में अपने कुछ सहपाठियों की मदद लेना जायज़ है, जैसा कि सामान्य शोधकर्ता करते हैं। लेकिन यदि वह पूरा शोध किसी दूसरे से लेता है, तो यह धोखा और झूठ है, चाहे उसने उसे किसी अन्य छात्र से लिया हो या इंटरनेट से। वह शिक्षक जो इसे स्वीकार करता है या इसे प्रोत्साहित करता है, पाप में भागीदार है।

आपने छात्रों के लिए रिपोर्ट तैयार करना बंद करके बहुत अच्छा किया है, और हम अल्लाह से दुआ करते हैं कि आपसे अतीत में जो कुछ हुआ है उसे क्षमा करे, और आपको पुण्य प्रदान करे, और आपको अपने विस्तृत हलाल जीविका में से रोज़ी प्रदान करे।

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।